

६

:: श्री ::

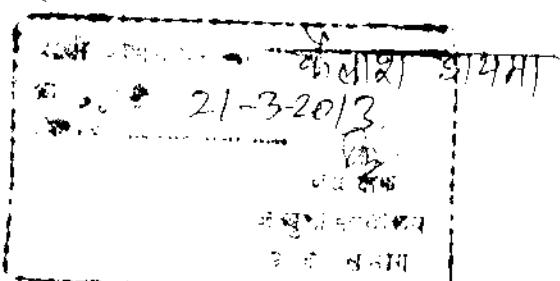
राजस्थान

आदरणीय माननीय अध्यक्ष महोदय, मध्य प्रदेश रेवेन्यु मण्डल,  
ग्वालियर (म.प्र.)

प्रकरण क्रमांक-

/2013

पा. 135. १०१३



फकीरचन्द अत्मज श्री चम्पालाल जी,  
जाति-तेली, उम्र-46 वर्ष, धंधा-खेती,  
निवासी-हतनारा, तहसील पिपलोदा,  
जिला रतलाम (म.प्र.) .....प्रार्थी

#### विरुद्ध

मदनलाल पिता नाथुराम, जाति-पाटीदार,  
निवासी-हतनारा, तहसील पिपलोदा,  
जिला रतलाम (म.प्र.) .....प्रतिप्रार्थी

निगरानी अंतर्गत धारा-50 म.प्र. लेंड रेवेन्यु कोर्ट अधिनस्थ न्यायालय  
अनुबिभागीय अधिकारी महोदय, उप-खण्ड जावरा ने प्रकरण  
क्रमांक-03/अप्रील/2008-09 में दिनांक 30/05/2012 को आदेश  
पारित किया, उससे असंतुष्ट एवं दुखी होकर

आदरणीय महोदय,

प्रार्थी की ओर से निम्नलिखित निगरानी श्रीमान् के सेवा में  
सादर प्रस्तुत है :-

--00 प्रकरण के संक्षिप्त तथ्य 00--

01. यह कि, प्रार्थी को ग्राम पंचायत हतनारा से शिक्षित बेरोजगार होने के  
नाते से विधिवित् ठहराव प्रस्ताव दिनांक 09/10/1997 को करके 20 x 30 फीट  
क्षेत्रफल का एक पट्टा दिनांक 15/01/1998 को देकर उसका आधिपत्य प्रार्थी को  
ग्राम पंचायत के द्वारा दे दिया गया था, तभी से प्रार्थी इस प्लाट का एकमात्र  
मालिक व स्वामी होकर आधिपत्यधारी है।

02. यह कि, प्रार्थी/आवेदक के प्लाट के पास ही ग्राम पंचायत हतनारा के  
द्वारा बिना ठहराव प्रस्ताव के 25 x 20 फीट क्षेत्रफल की भूमि ग्राम पंचायत के

XXXIX(a)BR(H)-11

(5)

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, खालियर

मनसा क्रमांक - निमों १०४७/३५/१४

मात्रा = ५५८५

मात्रा  
५५८५

अचूका निमांकन

मात्रा  
५५८५  
३५/३५/१४

१४-६-१४

आदेश अधिकारी द्वारा उल्लिखित अपर अग्रकरण के विषय के सम्बन्धीय के विवरण दिया गया।

2- आदेश अधिकारी के उपर्युक्त विवरण दिया गया प्रकरण ०१ नंबर आलाव्य आदेश का अलावन किया । यह निमार्गी अपर अग्रकरण के उल्लेख निमों ३०-५-१२ के विवरण दिनांक २१-३-१३ वर्ष पर आई है । उल्लेख के संबंध में जो अग्रकरण अवधि विधान का घरा ५ के आदेश में जो अग्रकरण दिये गए हैं वे प्रथमदृष्टिया समाधान-कारक बताते नहीं हाते हैं । अग्रकरण के प्रकरण में इन ब्राह्मिक का समाधानकारक व्यवस्थाएँ दिया जाता है । इस प्रकार में यह अपर अग्रकरण के विवरण दिया गया है ।

कृत  
प्रशांत अदेश